जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में बुधवार को आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से कई मुद्दों पर चर्चा की।

कांग्रेस अधिवेशन में पदाधिकारी बोले, यू.पी. की कानून व्यवस्था बेहतर, इसलिए रिपीट हुई योगी सरकार

- **प्रदेश कांग्रेस सचिव गजेन्द्र सांखला ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था की आलोचना की।**
- **विधायकों ने नौकरशाही की शिकायत की। डूंगरपुर विधायक गणेश धाधरा ने कहा, जिस अफसर के खिलाफ धरना दिया उसे फिर मेरे क्षेत्र में लगा दिया। विधायक नईमुद्दीन गुड्डू ने मुख्यमंत्री से एस.डी.एम. को हटाने को कहा था, मुख्यमंत्री ने हां भी कहा था पर अभी तक कार्यवाही नहीं हुई।**
- **अधिवेशन में प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा ने घोषणा की कि, हर महीने की 28 तारीख को मंत्री-विधायक 15 किलोमीटर की पदयात्रा करेंगे।**

जयपुर, 28 दिसम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मालाखेड़ा में सुझाव दिया था कि जनता की समस्याएं जानने के लिए कांग्रेस के मंत्री विधायकों को हर महीने 15 किलोमीटर पैदल चलना चाहिए। इस पर अमल करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने घोषणा की है कि हर महीने की 28 तारीख को मंत्री विधायक 15 किलोमीटर पद यात्रा करेंगे।

इधर बजट पर सुझाव लेने के लिए बुलाए गए कांग्रेस अधिवेशन में एक कांग्रेस पदाधिकारी ने उत्तर प्रदेश के योगी शासन की कानून व्यवस्था को बेहतर बता कर राज्य सरकार पर सवाल खड़े कर दिए। और ब्यूरोक्रेसी को लेकर नेता एक बार फिर बरसे।

बिड़ला ऑडिटोरियम में बुलाए गए कांग्रेस अधिवेशन में डोटासरा ने कहा हम सबको 2023 में सरकार रिपीट करनी है। यह सरकार रिपीट तभी होगी, जब हम सरकार की योजनाओं के बारे में बतायेगें और जिन कार्यकर्ताओं ने खून पसीना एक करके हमें यहां तक पहुंचाया, हमारी सरकार बनवाई अगर उनकी कोई दुख तकलीफ है, तो उन्हें ठीक करना होगा। उनके व्यक्तिगत काम हो, चाहे गांव के काम हों, वह सरकार में बैठे लोगों को करने पड़ेगें। डोटासरा ने कहा कि चुनाव सिर पर हैं। संगठन को और ज्यादा सक्रिय होना पड़ेगा, सबको साथ देना होगा। यह मेरा तेरा, यह गुट वो गुट, यह जाति, यह सब बातें छोड़नी होगी।

डोटासरा ने कहा, हमें पूरा भरोसा है हमारे प्रभारी और हमारे अध्यक्ष खाली पड़े संगठन के पदों पर जल्द नियुक्ति करेंगे। अगर ये पदाधिकारी 26 जनवरी से पहले नियुक्त होते हैं तो इसका फायदा हमें हाथ से हाथ जोड़ो अभियान में भी मिलेगा।

इसी अधिवेशन में जब कांग्रेस नेताओं को बोलने के लिए बुलाया गया तो कोटा के कांग्रेस नेता नईमुद्दीन गुड्डू ने कहा कि "मेरे क्षेत्र में जो एसडीएम लगा हुआ है। वह आर.एस.एस. का आदमी है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मैंने मुख्यमंत्री से एस.डी.एम. को हटाने के लिए कहा था। मुझसे मुख्यमंत्री ने हां भी कही थी। आज 20 दिन हो गए, लेकिन वह एस.डी.एम. वहीं पर लगा हुआ है। अब वह मुझे मैसेज करवा रहा है कि मुख्यमंत्री से शिकायत करवा मेरा क्या बिगाड़ दिया? मैं तो यहीं पर हूं। जब इस तरह के हालात होंगे तो ग्राउंड पर बैठा कार्यकर्ता क्या महसूस करता होगा। जैसलमेर जिला अध्यक्ष उम्मेद सिंह ने कहा कि "बड़े नेताओं और विधायकों से फीडबैक लेते हुए 4 साल हो गए। विधायकों के काम करते-करते भी 4 साल हो चुके हैं। अब तो कम से कम चुनावी साल में कार्यकर्ताओं से फीडबैक लीजिए कार्यकर्ताओं के काम कीजिए। अगर अब भी कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं हुई, तो कब होगी।"

बजट सुझाव पर बोलते हुए प्रदेश काग्रेस सचिव गजेंद्र सांखला ने यूपी की कानून व्यवस्था की तारीफ करते हुए राजस्थान की खराब कानून व्यवस्था पर सवाल उठा दिया। सांखला ने कहा कि "राजस्थान में 8 बजे बाद भी धड़ल्ले से शराब बिकती है। देर रात शराब बिकने से अपराध बढ़ रहे हैं। महिलाओं में भय का माहौल पैदा होता है। रात 8 बजे बाद पुलिस के संरक्षण में शराब की दुकानें खुलती हैं और अपराधियों का बोलबाला होता है। सांखला ने कहा कि मुख्यमंत्री जी, शासन इस तरह का होना चाहिए जैसे उत्तर प्रदेश में सरकार रिपीट हुई है, तो वह कानून व्यवस्था में मजबूती से हुई है। यूपी में भयमुक्त वातावरण दिया था, कानून व्यवस्था मजबूत थी इसलिए वहां सरकार रिपीट हुई।

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि" जिस अफसर को ट्रांसफर करके जोधपुर भेजा गया, उसे फिर से वहीं लगा दिया गया है। अगर इस तरह से ब्यूरोक्रेसी हमारे विधायक और जनप्रतिनिधियों के साथ मिस बिहेव करती रहेगा और उन अफसरों को वापस वहीं पर लाकर पोस्टिंग दे दी जाएगी तो क्या मैसेज जाएगा। मेरे खिलाफ घेराव वाले केस को भी अब तक वापस नहीं लिया गया है। उल्टे जिस अफसर के खिलाफ मैंने धरना दिया, उसे वापस वहीं लगा दिया। घोघरा के स्वर से स्वर मिलाते हुए प्रतापगढ़ विधायक रामलाल मीणा ने कहा कि हमारे जनप्रतिनिधि और हम तो काम कर रहे हैं, लेकिन ब्यूरोक्रेसी सरकार की छवि और सरकार के कामकाज पर बट्टा लगाने का काम कर रही है। ऐसे में आप समझ लीजिए सरकार रिपीट कैसे होगी।

भाजपा के अनुसार, इंटरनल सर्वे में पार्टी को राजस्थान में 180 से अधिक सीटें मिल रही है, हकीकत 2023 में नतीजों से पता चलेगी

गुजरात की तरह राजस्थान में भी भाजपा प्र.मंत्री मोदी के नाम पर 2023 का चुनाव लड़ेगी

- **हिमाचल चुनाव से सबक लेकर भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व को राजस्थान में बागियों से निपटने के लिये अभी से तैयारी करनी होगी।**
- **डॉ. सतीश पूनिया 2023 में बतौर प्रदेश अध्यक्ष भाजपा को सत्ता में लाकर केन्द्रीय नेतृत्व की नज़रों में स्वयं को सफल कुशल संगठनकर्ता साबित करना चाहते हैं।**

जयपुर, 28 दिसम्बर (का.सं.)। भाजपा केन्द्रीय आलाकमान का पूरा ध्यान अब मिशन 2023 के तहत राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटक इत्यादि राज्यों पर है और लोकसभा चुनाव वर्ष 2024 में होने है, जिसमें भाजपा 400 प्लस सीटों का लक्ष्य लेकर चल रही है।

उत्तर भारत के राज्यों में गुजरात, राजस्थान और मध्यप्रदेश में राजनीतिक और सामाजिक तौर पर काफी समानतायें हैं, इन तीनों ही राज्यों में ओबीसी, दलित और आदिवासी वोट महत्वपूर्ण हैं और राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत का सीधा असर राजस्थान पर पड़ेगा।

राजस्थान में भाजपा नेतृत्व की बात करें तो संघ के स्वयंसेवक सतीश पूनिया भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में 27 दिसंबर को तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। पर उनके कार्यकाल को लेकर कोई संदेह की स्थिति नहीं है, क्योंकि उत्तरप्रदेश, गुजरात सहित तमाम राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के कार्यकाल चुनावी सालों में बढ़ाये गये।

चुनावी राज्यों में भाजपा अध्यक्षों का कार्यकाल बढ़ाने के पीछे सबसे बड़ा तर्क यह है कि प्रदेशभर में तमाम जमीनी कार्य उनकी देखरेख में होता है। इसलिये तय माना जा रहा है कि राजस्थान में मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में ही वर्ष 2023 का विधानसभा चुनाव व 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा जाएगा। डॉ. पूनिया ओबीसी समुदाय से है, जिसकी राजस्थान में 54 प्रतिशत से अधिक आबादी है, साथ ही प्रदेश भाजपा की टीम में आदिवासी, दलित, ब्राह्मण, राजपूत सहित तमाम सभी वर्गों का उचित प्रतिनिधित्व है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नडडा, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय महामंत्री व राज्य के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के कुशल नेतृत्व और संगठन कुशलता की पीठ थपाथपा चुके हैं।

पिछले तीन वर्षों में सतीश पूनिया के नेतृत्व में भाजपा ने किसान कर्जमाफी, लंबित भर्तियां, पेपर लीक, भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा जैसे तमाम जनहित के मुद्दों पर जयपुर से लेकर पूरे प्रदेश में बड़े आंदोलन किये। करोनाकाल में भी पार्टी ने जनसेवा के महत्वपूर्ण कार्य किए। जिसकी तारीफ प्र.मंत्री मोदी भी कर चुके हैं। जरूरतमंदों त

बीकानेर संभाग के बूथ सम्मेलन व जयपुर में प्रदेश कार्यसमिति में जेपी नडडा, जोधपुर संभाग के बूथ सम्मेलन और जयपुर के जनप्रतिनिधि सम्मेलन में अमित शाह संबोधन के दौरान खुलकर प्रदेश नेतृत्व को शाबासी दे चुके हैं। इसके अलावा आमेर में भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक, जोधपुर में ओबीसी मोर्चा राष्ट्रीय कार्यसमिति, विभिन्न संभागों में प्रदेश कार्यसमितियां, लगभग 52048 में से 49 हजार बूथों पर फोटो युक्त बूथ समितियों के गठन, और विस्तारक कार्ययोजना का काम जमीनी स्तर पर तेजी से चल रहा है। राजनीतिक विश्लेषक सतीश पूनिया के व्यक्तित्व, कार्यशैली और इनकी संगठन की कुशलता के बारे में बताते हैं, सहज मिलनसार, लगातार प्रदेश के प्रवास पर और सभी प्रमुख नेताओं को साथ लेकर उनका मार्गदर्शन लेते हुये संगठन को गुजरात मॉडल की तरह मजबूत करने में लगे हुये हैं। ओबीसी किसान परिवार से आने वाले सतीश पूनिया संघ पृष्ठभूमि से हैं, मिलनसार हैं, सभी समुदायों में इनके अच्छे संपर्क हैं, प्रदेश के किसानों में लोकप्रिय होने के साथ-साथ वागड़ अंचल में आदिवासी और प्रदेश में दलित समाज में इनकी अच्छी पकड़ है। सतीश पूनिया का पूरा कॉलेज छात्र जीवन एक हरिजन के घर में बीता, जहां वह जयपुर में एक हरिजन परिवार के घर में किराये पर कमरा लेकर रहते थे और पहले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद फिर भारतीय जनता युवा मोर्चा और फिर भाजपा में अनेक दायित्वों को संभाला और पार्टी का जनाधार बढ़ाने का काम किया।

डॉ. सतीश पूनिया पिछले तीन वर्षों में गुजरात की सीमा से सटे आदिवासी क्षेत्र से लेकर पूर्वी राजस्थान में 200 किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्रा कर जनसंवाद कर चुके हैं और गाड़ी एवं ट्रेन द्वारा सवा लाख किलोमीटर से अधिक की यात्रा कर 200 में से 190 से अधिक सीटों पर चार-पांच बार विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये प्रवास कर चुके हैं। वर्ष 1998 में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर डॉ. पूनिया अजमेर से लेकर भरतपुर तक कार्यकर्ताओं को साथ लेकर 551 किलोमीटर की पदयात्रा की थी। गुजरात मॉडल की तर्ज पर राजस्थान में भी भाजपा नेतृत्व पार्टी को अभेद्य बनाने में जुटा है। पार्टी के तमाम प्रमुख लोग मिशन 2023 को सफल बनाने में जुटे हैं, और जन आक्रोश सभाओं के जरिये सभी नेता जमीनी नब्ज टटोल रहे हैं।

वहीं हिमाचल प्रदेश की तरह राजस्थान में भी भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व को बागियों से निपटने की अभी से तैयारी करनी होगी। इंटरनल सर्वे और मीडिया रिपोर्टस का दावा है कि 2023 विधानसभा चुनावों में पार्टी को 180 से अधिक सीटें मिलने की संभावना है।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि डॉ. पूनिया वर्ष 2023 में भाजपा को सत्ता में लाकर केन्द्रीय नेतृत्व की नजरों में स्वयं को सफल कुशल संगठनकर्ता साबित करना चाहते हैं। हालांकि यह भी स्पष्ट है कि राजस्थान में 2023 का चुनाव भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर लड़ेगी और चुनाव के बाद ही भाजपा संसदीय बोर्ड मुख्यमंत्री का चेहरा तय करेगा।

'भगवान कृष्ण ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भगवान श्री कृष्ण की भूमिका निभाई थी। वे दो बार लोकसभा के सदस्य के रूप में भी चुने गए। कलासाधकों के साथ प्रत्यक्ष संवाद में भारद्वाज ने कहा, हम कलाकार सृजन करने की शक्ति लेकर पैदा होते हैं। कला और साहित्य हर संस्कृति का ऐसा रंग होता है जो उसको पहचान देता है। हमने एक पुरानी संस्कृति में जन्म लिया, जो आज भी जीवित है। भगवान राम ने मर्यादाओं की स्थापना की। वहीं श्री कृष्ण ने मर्यादाओं को नहीं माना। श्री कृष्ण ने कहा, मैं ही मर्यादाओं का निर्माण करूंगा। इस दौरान नीतीश भारद्वाज से कला साधकों ने कई सवाल किए।

एक सवाल के जबाव में भारद्वाज ने कहा, जिसकी आवश्यकता नहीं हो वो बच्चों को नहीं दें, जैसे मोबाइल। उन्होंने कहा आज बच्चे मोबाइल में अंतर्मुखी हो रहे हैं और सोशल कॉन्टैक्ट से दूर हो रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए गोपाल शर्मा ने कहा कि ज्ञान, मन और कर्म मिलकर कला बनाती हैं। उन्होंने कहा, क्या संगीत, नाटक, नृत्य ही कला है? बाल काटना, मालिश करना भी कला है। शर्मा ने कहा हर वर्ग का व्यक्ति कलाकार है।

'यात्रा के दौरान दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को बदनाम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जो इसे बाधित करना चाहते हैं, वे अपनी पुलिस और अपने मीडिया के जरिए ऐसा प्रयास कर रहे हैं।"

स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया के राहुल गांधी को पत्र लिखे जाने के बाद सुरक्षा में चूक को लेकर कांग्रेस के बयान सामने आए हैं। मंडाविया ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर अनुरोध किया था वे अपनी यात्रा में कोविड प्रोटोकॉल्स की पालना सुनिश्चित करें अथवा इस यात्रा को राष्ट्रीय हित में स्थगित कर दें।" कांग्रेस सांसद ने यह कहते हुए इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है कि यह सब यात्रा को रोकने के "बहाने" हैं।

खेड़ा ने भाजपा और उसके समर्थकों को चेतावनी दी कि वे भारत जोड़ो यात्रा को बदनाम करने से बाज आएं। उन्होंने कहा कि "भारत जोड़ो यात्रा को रोकने का प्रयास ना करें। आप सफल नहीं होंगे। जो कोई भी भारत को एकजुट होने से रोकने की कोशिश कर रहा है, वह निश्चित रूप से एकीकृत भारत की परिकल्पना के खिलाफ है और भारत को तोड़ने के प्रयास करने के लिए जवाबदेह है। उनके चेहरे अब सामने आ गए हैं। भारत को एकजुट करने की परिकल्पना के खिलाफ कौन हो सकता है, स्पष्ट रूप से वे लोग जो भारत को एकजुट नहीं देखना चाहते। उनके चेहरे अब सबके सामने आ गए हैं।"

उन्होंने कहा कि "हम जम्मू-कश्मीर और पंजाब में प्रवेश कर रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा में सुरक्षा को लेकर हो रही नियमित चूक को लेकर हमने इस पत्र के माध्यम से माननीय गृह मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया है।" खेड़ा ने कहा कि उनके साथी वैभव वालिया ने गत 23 दिसम्बर को सोहना सिटी पुलिस स्टेशन में एक एफ.आई.आर. दर्ज करवायी थी क्योंकि आई.बी.के कुछ अधिकारियों ने पूर्णत: अवैध रूप से हमारे वाहनों में घुसने की कोशिश की।

रणथम्भौर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की गई थी। टीम द्वारा एक्सरे करवाने पर जांच में टाइगर टी-24 के पिछले दायें पैर की हड्डी बढ़ना सामने आया, इस पर उसका उपचार शुरू किया। गत 23 दिसम्बर को अचानक उस्ताद का स्वास्थ्य खराब हुआ। विभाग द्वारा खून की जांच करवाई तो उसमें न्यूट्रोफिल का बढ़ना पाया गया, जिस पर तुरंत इलाज शुरू किया। बुधवार सुबह उस्ताद को स्कुईस केज में लेने का प्रयास किया लेकिन सफलता नही मिली और दोपहर 2 बजे उस्ताद ने अंतिम सांस ली।

गौरतलब है कि, 7 साल पहले 16 मई 2015 को रणथम्भौर नेशनल पार्क से टाइगर टी-24 को शिफ्ट कर उदयपुर के सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क लाया गया था। टाइगर टी-24 ने रणथम्भौर नैशनल पार्क में दो वनकर्मियों और दो स्थानीय लोगों कुल 4 लोगों पर हमला कर उन्हें मार दिया था। जिसमें आखिरी हमला उसने 8 मई 2016 को एक वनकर्मी पर किया था। वनकर्मी की मौत के बाद स्थानीय स्तर पर टी-24 को लेकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए थे, दबाव में आकर वन विभाग ने उसे नेशनल पार्क खुले जंगल से सज्जनगढ़, बायोलॉजिकल पार्क के एनक्लोजर में शिफ्ट कर दिया था। टी-24 को वापस नेशनल पार्क में लाने के लिए कई वन्यजीव प्रेमियों ने प्रदर्शन भी किये और कोर्ट में याचिका भी लगाईं और यह एक राष्ट्रीय मुद्दा बना, लेकिन टी-24 की वापस रिहाई नही हो सकी।

चाइनीज़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

16 चरखियां जब्त की। जब्त किये गये मांझे को कस्बे के गांधी चौक में पालिका की टीम ने जलाकर नष्ट किया। इस टीम में थानाधिकारी जगदीश प्रसाद, सफाई जमदार अमित कुमार व कई सफाईकर्मी साथ थे। उल्लेखनीय है कि, उपखण्ड अधिकारी श्योराम वर्मा ने 21 दिसम्बर को थानाधिकारी पुलिस थाना बीदासर, साण्डवा व छापर, विकास अधिकारी पंचायत समिति बीदासर, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बीदासर को मकर संक्राति के पर्व को लेकर कस्बे में बिक रहे चाइनीज मांझे की मिल रही शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिये थे, लेकिन गत दो दिनों मे दो जनों के घायल होने के बाद प्रशासन की नींद खुली।

'पेपर लीक कांड सरकार की विफलता है'

राज्यमंत्री राजेन्द्र गुढ़ा ने पेपर लीक पर सीधे सरकार को दोषी ठहराया और कहा, सरकार के काम एक तरफ और पेपर लीक एक तरफ

- **उन्होंने कहा 'हम फेयर एग्ज़ाम नहीं करवा पा रहे हैं बच्चों में भारी निराशा है।'**

जयपुर, 28 दिसम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में एक के बाद एक हो रहे पेपर लीक को लेकर अब तक विपक्ष के निशाने पर राज्य की कांग्रेस सरकार थी, लेकिन अब कांग्रेस सरकार के ही मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि, "सरकार के सारे काम एक तरफ और पेपर लीक दूसरी तरफ। सरकार के अब तक के सारे कामों को अकेला पेपर आउट प्रकरण खा जाएगा।"

सीनियर टीचर भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने के मामले में कांग्रेस सरकार की जिम्मेदारी है, यह हमारा फेलियर है कि हम फेयर एग्जाम नहीं करवा पा रहे हैं। पेपर आउट हो रहे हैं, कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। बच्चों के अंदर भयंकर निराशा है।"

उन्होंने कहा "जब हम सही तरीके से पेपर नहीं करवा सकते तो यह सही नहीं है। हमारे प्रदेश के जो बच्चे हैं, जो तैयारी कर रहे हैं, उनमें निराशा का भाव आ गया है। पूरी तरह निराशा का भाव आ गया। कहीं न कहीं लीकेज तो है। सच तो यही है कि हम पेपर नहीं करवा सकते। गुढ़ा ने कहा- पेपर आउट होना हमारे लिए खतरनाक है। हमारे पेपर बार-बार आउट हो रहे हैं, हम एक भी परीक्षा ठीक तरीके से नहीं करवा पा रहे, सच यह है कि हम फेल हो गए।

सरकार रिपीट करने के सवाल पर गुढ़ा ने कहा कि जिस तरह पेपर आउट हो रहे हैं, उसमें तो मुश्किल ही लग रहा है।

राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की ओर से फीडबैक लेने के कार्यक्रम को लेकर गुढ़ा ने कहा कि "रंधावा जी अच्छे आदमी हैं, दिल से बोलते हैं। उनको सुनकर अच्छा लगा, जमीन से जुड़े आदमी हैं, शायद कुछ कर सकें। वहीं पायलट को मुख्यमंत्री बनाने और समर्थन के सवाल पर गुढ़ा ने कहा कि हम बसपा से आने वाले छह विधायकों ने कांग्रेस जॉइन की थी, किसी व्यक्ति को जॉइन नहीं किया था। कांग्रेस हाईकमान जो फैसला करेगा, हम उस फैसले के साथ हैं। सचिन पायलट उर्जावान नेता हैं, कांग्रेस में ऐसे नेता बचे कहां हैं।

'भ्रष्टाचार के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समय की सभी सरकारों ने इस क्षेत्र के लोगों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की है तथा कन्नड़ एवं मराठी भाषी लोग शान्तिपूर्ण तरीके एवं मेल-जोल के साथ रहते आये हैं। इस क्षेत्र में मराठी भाषी लोगों का भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व है। लेकिन, मुख्यमंत्री बोम्मई के व्यापक भ्रष्टाचार से लोगों को हटाने के उपाय के अलावा, इस मुद्दे का इस तरह भड़कना और कुछ भी नहीं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह चाल भाजपा और बोम्मई को नहीं बचा सकेगी तथा लोग अपना मन पहले ही बना चुके हैं।

जनवरी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देगी। बी एफ-7 ऑमिक्रोन वैरिएंट का एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचने की गति एवं क्षमता बहुत ज्यादा है तथा एक अनुमान के अनुसार एक संक्रमित व्यक्ति 16 अन्य व्यक्तियों को संक्रमित कर सकता है।

'केन्द्रीय सरकार में तमिल लोगों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जोर-शोर से हिन्दुत्व का राग अलायती है तथा हिन्दुत्व का मुद्दा हिन्दी वोटों को एकजुट कर के केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा के पीछे खड़ा कर देता है और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि स्टालिन की इस माँग के चलते, अन्य गैर-हिन्दी भाषी राज्यों की ओर से भी ऐसी ही माँगें शुरू हो सकती हैं क्यों कि उन्हें भी इस बात का अहसास हो सकता है कि केन्द्र सरकार की नौकरियों उन राज्यों के युवाओं के अवसर शुद्ध रूप से भाषाई आधार पर कम हो रहे हैं।

तमिल भाषा में प्रतियोगी परीक्षाएं कराने की मामले का आगे लाने के लिये तर्काधारित दलीलों की मदद ली है। इसे समझाते हुये, उन्होंने कहा है कि प्रतियोगी परीक्षाएं तमिल भाषा में आयोजित किये जाने यहाँ के युवाओं को यह अवसर मिलेगा कि वे देश के प्रशासन में अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग और बेहतर तरीके से कर सकेंगे।

मोदी को लिखे गये पत्र में, स्टालिन ने कहा है कि "जैसा कि आप जानते हैं कि जन-केन्द्रित प्रशासन, जो सुशासन के लिये अनिवार्य शर्त होती है, के लिये जनता के साथ ताकात्म्य जरूरी होता है तथा इस शर्त को स्थानीय भाषा एवं संस्कृति के परिचित लोग ही पूरा कर सकते हैं।

इसके अलावा, तमिलनाडु के मानव-संसाधनों में ज्ञान तथ कौशल की मात्रा एंव गुणवत्ता, तकनीकी तथा शैक्षिक दोनों ही क्षेत्रों में, अपेक्षाकृत रूप से बेहतर है तथा उनके इन गुणों का उपयोग अच्छी तरह हो सकता है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टाफ सलेक्शन कमीशन की 2021-22 का वार्षिक प्रतिवेदन कहता है कि कुल 28,081 पात्र व्यक्तियों में से दक्षिणी क्षेत्र के पात्र अभ्यर्थियों की संख्या मात्र 4.5 प्रतिशत रही। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस साल रेल्वे भर्ती बोर्ड द्वारा भर्ती उम्मीदवारों में से अधिकांश लोग ऐसे थे, जो तमिलनाडु के निवासी नहीं थे।

मीडिया के साथ साझा किये गये इस पत्र में स्टालिन ने लिखा, "इस स्थिति से बेरोजगार युवकों में जबरदस्त निराशा पैदा हो जाती है तथा सामाजिक-राजनैतिक हल्कों में भी यह चिन्ता का कारण बन जाती है। भर्ती के इस पक्षपात पूर्ण तौर-तरीके के निहितार्थों तथा नतीजों से बचने की जरूरत है।"

मुख्यमंत्री ने जोर देते हुये कहा कि सभी केन्द्रीय भर्ती एजेंसियों, जैसे- स्टाफ सलेक्शन कमीशन, रेलवे भर्ती बोर्ड, द इन्स्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनेल एलेक्शन-द्वारा कराई जाने वाली परीक्षाएं तमिल भाषा में भी कराई जानी चाहिये।

ऐसा करना तमिलनाडु के आशार्थियों के लिये केन्द्र सरकार केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों तथा रेलवे के तमिलनाडु में स्थित कार्यालयों में नौकरी पाने के लिये मददगार रहेगा।

स्टालिन का निवेदन था कि "सेवाएं प्रदान करने के लिये बेहतर जन-सम्पर्क तथा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की दृष्टि से, तमिलनाडु में स्थित केन्द्र सरकार तथा केन्द्रीय पी.एस.यू. कार्यालय में नियुक्तियों के दौरान तमिलनाडु के लोगों को प्राथमिकता दी जा सकती है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु में स्थित रेल सेवाओं तथा 20 प्रतिशत आरक्षण के तहत सीधी भर्ती के लिये चयन हेतु "एक्ट अप्रेंटिसेज" के चयन के दौरान, तमिलनाडु में रहने वाले "एक्ट अप्रेन्टिसेज" को प्राथमिकता दी जा सकती है ताकि क्षेत्रीय प्रतिनिधि सुनिश्चित हो सके। "इसलिये, मेरा आपसे निवेदन है कि उपरोक्त तथ्यों पर विचार करते हुये, तमिल मूल के लोगों के लिये रोजगार के अवसर सुधारने की दिशा में आवश्यक कदम उठायेंगे।"

स्टालिन ने पत्र में प्रधानमंत्री को 2021 में दिये गये एक ज्ञापन तथा उन्हें भेजे गये एकपत्र की भी याद दिलाई, जिनमें तमिलनाडु में स्थित केन्द्र सरकार तथा केन्द्रीय पी.एस.यू. कार्यालय में नियुक्ति के मामले में तमिलनाडु के लोगों को प्राथमिकता दिये जाने की माँग की गई थी ताकि तमिल मूल के लोगों के लिये नौकरी के पर्याप्त अवसर सुनिश्चित हो सके।

स्टालिन ने कहा कि सभी क्षेत्रों को नौकरी पर्याप्त अवसर देने से, जहाँ बेहतर सेवाएं तथा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सकते हैं, वहीं केन्द्र सरकार के कार्यालयों तथा केन्द्रीय पी.एस.यू. में विभिन्न स्तरों पर नौकरी पाने की तमिल लोगों की आकांक्षाएं भी पूरी हो सकती हैं।

रूस 1 फरवरी से यूरोपियन यूनियन व ऑस्ट्रेलिया को क्रूड ऑयल नहीं देगा

- **क्रूड ऑयल की प्राइस कैपिंग व यूक्रेन की मदद करने के कारण नाराज़ रूस ने इन देशों से इस तरह बदला लेने का निश्चय किया है।**

मॉस्को, 29 दिसम्बर। राष्ट्रपति पुतिन यूरोपीय संघ व अमेरिका और आस्ट्रेलिया को पहले भी इसके लिए कई बार चेतावनी भी दे चुके हैं, लेकिन अमेरिका और नाटो देशों की ओर से यूक्रेन को मदद जारी है। इससे पुतिन अब गुस्से में आ गए हैं। लिहाजा उन्होंने यूरोपीय संघ के देशों और आस्ट्रेलिया को भी तबाह करने का प्लान तैयार कर लिया है।

पुतिन ने इन देशों में तबाही शुरू करने की तारीख भी बता दी है। इससे यूरोपीय यूनियन और आस्ट्रेलिया के साथ दुनिया भर में खलबली मच गई है। यूक्रेन के बाद आस्ट्रेलिया और यूरोपीय यूनियन अब रूस के निशाने पर है।

पुतिन इन देशों को तबाह करने के लिए कुछ ऐसा कदम उठाने जा रहे हैं, जिससे यहां हाहाकार मच जाए और जनता सड़कों पर आ जाए। इसके लिए पुतिन का ब्ल्यू प्रिंट तैयार है। आपको बता दें कि हाल ही में यूक्रेन पर सैन्य हमले के दोष में यूरोपीय यूनियन ने रूस के कच्चे तेल पर 60 डॉलर प्रति बैरल का प्राइस डिक्री कैप लगा दिया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908